Konark Temple which is a UNESCO world heritage site, the Jagannath Temple in Puri, the heritage city of Bhubaneswar, should be included in the heritage site. She spoke so much about focus on tourism. But I am sorry that these iconic sites in Odisha are not included as iconic sites. So, this may be considered.

Thank you, Sir.

(Ends)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI RAKESH SINHA): Next speaker is, Dr. Ashok Kumar Mittal. Nine minutes.

डा. अशोक कुमार मित्तल (पंजाब) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने आज मुझे आम आदमी पार्टी की तरफ से अंतरिम बजट के ऊपर बोलने का मौका दिया।

सर, जब भी कोई बजट आता है, तब हमारे समाज की, हमारे लोगों की, हमारी जनता की उम्मीदें और अपेक्षाएं जागती हैं। वे 1 फरवरी का इंतज़ार करते हैं। वे इस उम्मीद से इंतज़ार करते हैं कि शायद माननीय वित्त मंत्री अपने पिटारे में से हमें कुछ सौगात इस वर्ष ज़रूर देंगी। मैं जब इस वर्ष का भाषण सुन रहा था तो मुझे एक शेर याद आ रहा था-

"हमको मालूम है जन्नत की हकीकत
लेकिन दिल को खुश रखने को ग़ालिब यह ख्याल अच्छा है"

सर, जब हम छोटे थे, तब गांव में डाकिया आता था, जिसका काम चिट्ठी देना था। उस चिट्ठी में भावनाएं होती थीं, लोग अपना सुख-दुख सांझा करते थे, अपनी उम्मीदों के बारे में बताते थे। वैसे ही, आज मैं एक सांसद नहीं, बल्कि एक डाकिये की हैसियत से यहां पर आया हूं और अपनी माननीया वित्त मंत्री जी के सामने समाज के उस वर्ग की चिट्ठी या फ़रियाद को लेकर आया हूं, जो इस उम्मीद के साथ - कि हमारा कुछ होगा - सरकार की तरफ देख रहा है।

(4R/DN पर जारी)

KSK/DN/6.25/4S

डा. अशोक कुमार मित्तल (क्रमागत) : महोदय, मेरी सबसे पहली चिट्ठी देश के किसान भाइयों की, हमारे अन्नदाता की है। वे इस उम्मीद में थे कि मेरी आय दोगुनी होगी। किसान पूछता है कि क्या बजट हमारी खेती की लागत को कम करेगा, क्या महंगाई के हिसाब से हमारी फसल की कीमत निर्धारित होगी, मेरे ऊपर जो इतना कर्जा चढ़ा हुआ है, क्या वह कम होगा? सरकार कहती है कि एमएसपी डबल कर दिया गया है, लेकिन जब हम आंकड़े देखते हैं, तो 2003 से 2013 तक हर वर्ष 8 से 9 प्रतिशत एमएसपी बढ़ता जा रहा था, लेकिन 2013 से 2024 तक यह सिर्फ पांच प्रतिशत बढ़ा है। अगर हम Budget allocation को देखें, तो किसान से संबंधित योजनाओं में बजट को कम कर दिया गया है। जैसे पिछले वर्ष fertilizer subsidy 1,90,000 करोड़ रुपये थी, वह कम करके 1,60,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। Food subsidy 2,10,000 करोड़ थी, उसे कम करके 2,00,000 करोड़ कर दिया गया है। मैं बजट के पेपर देख रहा था

कि पिछले पांच वर्षों में कृषि मंत्रालय ने एक लाख करोड़ का unused budget वापस कर दिया। मैं जानना चाहूंगा कि एक तरफ हम किसान की आय दोगुनी करने की बात करते हैं और किसानों की भलाई के लिए budget allocation को स्पेन्ड नहीं कर पाते हैं! सर, मेरी दूसरी चिट्ठी छोटे-छोटे दुकानदार भाइयों और लघु उद्योग वालों की तरफ से आई है, जो कि शहरों और गांवों में अर्थव्यवस्था का केंद्र बिंदु हैं। वे वित्त मंत्री जी से पूछते हैं कि हमसे भी पूछ लीजिए कि हमारा कारोबार कैसा चल रहा है। अगर आप बजट में कुछ लागत कम कर देते, तो बहुत मेहरबानी होती। वे दुकानदार यह भी कहते हैं कि आपने आशा और आंगनवाड़ी बहनों को आयुष्मान भारत का लाभ दिया, प्लीज, मुझे भी इसमें कंसीडर कर लीजिए, कृपया मुझे भी देख लीजिए और मुझे भी उसमें लाभ दे दीजिए। मुझे आश्चर्य है कि एमएसएमई सेक्टर, जो 11 लाख करोड़ लोगों को रोजगार देता है और जीडीपी का 30 प्रतिशत हिस्सा है, उसे अर्थव्यवस्था के चार स्तंभों में शामिल नहीं किया गया। मेरा निवेदन है कि इसको दोबारा देखा जाए। मेरी तीसरी चिट्ठी middle class से आई है और वह एक primary school teacher की है। Middle class भाषण में उस क्षण का इंतजार करता है कि शायद वित्त मंत्री जी इनकम टैक्स कुछ कम कर दें, पर उसको निराशा ही हाथ लगी है। हम कहते हैं कि सात लाख रुपये तक कोई इनकम टैक्स नहीं है, लेकिन वह terms and conditions के साथ है। इतनी सेविंग करो, कभी कुछ करो, सीधा सात लाख नहीं है। जितनी inflation बढ़ती है, उस हिसाब से इनकम बढ़ रही है, तो जो automatically स्लैब बढ़नी चाहिए, वह नहीं बढ़ रही है। मेरी चौथी चिट्ठी एक युवा की तरफ से आ रही है,

जो माननीया मंत्री जी के हिसाब से अर्थव्यवस्था का स्तंभ है। यह उस युवा की चिट्ठी है, जो mass lay-offs में बेरोजगार हो गया है। वह यह कहता है कि मेरी नौकरी मेरे परिवार के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। मैंने जैसे-तैसे लोन लेकर बी.टेक किया और मेरी नौकरी चली गई, जिसकी वजह से मैं बी.टेक का लोन भी वापस नहीं कर पाउंगा। हम यूथ के लिए start-up India की बात करते हैं! वह एक लाख हो गए हैं, यह बहुत बढ़िया बात है और उसके लिए मैं आपको मुबारकबाद भी देता हूं, लेकिन हम यह नहीं देखते हैं कि कितने start-up बंद हुए हैं। वर्ष 2022 में 2,000 से ज्यादा start-up बंद हो गए। उसमें जिन लोगों ने कर्जा लेकर पैसा लगाया, उनका क्या हो रहा है, उसके बारे में हम कहीं भी कोई बात नहीं करते हैं। अब मैं थोड़ी बात इकोनॉमी पर करना चाहूंगा। भारत देश दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है, उसके लिए हम सबको बहुत खुशी है। हमें पुरानी मूवीज़ का शौक है, तो मुझे राजकपूर जी का एक गाना याद आता है-

"*मेरा जूता है जापानी, यह पतलून इंग्लिश्तानी,*
सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी।"

हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं, यह बहुत अच्छी बात है, बहुत अच्छा नारा है, लेकिन चीन से इम्पोर्ट बढ़ाते जा रहे हैं। वर्ष 2023 में 14 प्रतिशत चीन से इम्पोर्ट बढ़ा है। भारत सरकार ऐसी पॉलिसीज़ क्यों नहीं बनाती है, जिससे इम्पोर्ट को कम किया जाए?

(4T/GS पर जारी)

GS-GSP/4T/6.30

डा. अशोक कुमार मित्तल (क्रमागत) : सर, हम बात करते हैं कि हमारी पर-कैपिटा इन्कम दोगुनी हो गई है, इसके लिए आपको मुबारकबाद। लेकिन सर, हम यह नहीं देखते कि हम दुनिया की 195 इकोनॉमी में 143वीं इकोनॉमी हैं। हम आज इतना पीछे हैं।

सर, हम बात करते हैं कि जीएसटी का कलेक्शन बढ़ गया है। सर, उसके पीछे हम यह नहीं देखते हैं कि कितने परसेंट टैक्स रेट बढ़ा दिया गया है और कितनी नई आइटम्स को जीएसटी में शामिल कर लिया गया है तथा कितना इन्फ्लेशन का इम्पैक्ट आया है। उसको अलग करके फिर बताएं कि जीएसटी का कितना रेवेन्यू बढ़ा है।

सर, हम 40 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की बात करते हैं, 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकल गए हैं, हम वह बात करते हैं, परंतु सर, गरीबी की परिभाषा क्या है, केवल 32 रुपए प्रतिदिन गांव में और 47 रुपए प्रतिदिन शहर में! सर, हम कितनी पुरानी डेफिनेशन को लेकर बैठे हैं। हम इन्फ्लेशन को काउंट ही नहीं कर रहे हैं, गरीब तो बढ़ते जा रहे हैं।

सर, वित्त मंत्री जी ने अपने बजट में फिस्कल डेफिसिट की बात कही है। उन्होंने बताया कि सरकार का इस बार तकरीबन 15 लाख करोड़ रुपए का फिस्कल डेफिसिट है। करीब 30 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू है और 15 लाख करोड़ रुपए का फिस्कल डेफिसिट है। सर, मुझे एक पुराना शेर याद आता है कि आमदनी अठन्नी खर्चा रुपया। इसके लिए पैसा कहां से आएगा, अगर नोट छाप कर आएगा, तो आगे महंगाई बढ़ेगी।

सर, ऐसे बहुत सारे मुद्दे हैं, जिन्हें हमें सॉल्व करना है। मैं अपनी पार्टी की तरफ से चाहूंगा कि हम मिलकर इसको सॉल्व करने के लिए तैयार हैं। यदि इसमें हम कुछ मदद कर सकते हैं, तो हमारी मदद लीजिए, हम अपने देश को आगे ले जाने के लिए सरकार के साथ खड़े हैं।

सर, अंत में मैं माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की कविता के साथ अपनी बात को समाप्त करना चाहूंगा।

"बाधाएँ आती हैं आएँ,
घिरें प्रलय की घोर घटाएँ,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों में हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।"

(समाप्त)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI RAKESH SINHA): Shri Hishey Lachungpa, not present; Shri Ravindra Kumar, not present; Shri H.D. Devegowda, not present. Shri B. Lingaiah Yadav.

SHRI B. LINGAIAH YADAV (Telangana): *

* Hon. Member spoke in Telugu